विचार बिन्दु

सब इंद्रियों को वश में रखकर सर्वत्र समत्व का पालन करके जो दृढ़-अचल और अचिन्त्य, सर्वव्यापी, स्वर्णीय, अविनाशी स्वरुप की उपासना करते हैं, वे सब प्राणियों के हित में लगे हुए मुझे ही पाते हैं।

–भगवान कृष्ण

भारत ने दिलाई मोटे अनाज को अंतर्राष्ट्रीय पहचान

मोटा अनाज यानी की श्रीअन्न आज दुनिया की पसंद बनता जा रहा है। दूरगामी सोच का ही परिणाम है कि आज समूची दुनिया 2023 को अंतरराष्ट्रीय मिलेट ईयर के रुप में मना रही है। मोटे अनाज के महत्व और पोषकता को देखते हुए ही इसे श्रीअन्न कहकर पुकारा। देखा जाए तो जब 2018 में भारत ने मोटे अनाज को पोषक अनाज घोषित करने के लिए विश्वव्यापी अभियान चलाया तब पूरी तरह से आश्वस्त नहीं थे कि संयुक्त राष्ट्र संघ मोटे अनाज के महत्व को समझते हुए 2023 को इंटरनेशनल मिलेट ईयर घोषित कर देगा। यह भी लगभग असंभव लगता था कि देश-दुनिया के देश इतनी जल्दी मोटे अनाज के प्रति जागरुक होंगे। दरअसल हमारे खान-पान के चलते एक के बाद एक बीमारियों से दो-चार होने लगे हैं, ऐसे में मोटा अनाज एक बेहतर विकल्प के रुप में उभरा है। पर जिस तरह से अभियान चलाकर मोटे अनाज को प्रमोट करने का अभियान चलाया गया है तो देश-विदेश में मोटे अनाज का गुणगान होने लगा है। मोटापा, डायबिटीज, विटामिन्स की डेफिसिएंसी, बढ़ती हार्ट डिजिजेज, एनिमिया, डाइजेशन प्राब्लम, कैल्शियम की कमी या यों कहें कि अच्छा खाने के बाद भी खोखले होते शरीर के कारण केमिकल्स पर आधारित दवाओं से अलग हटकर अब लोग मोटे अनाज में विकल्प खोजने लगे हैं। खरीफ की प्रमुख फसल बाजरा का तो इस साल और अधिक उत्पादन होने जा रहा है। किसान इससे उत्साहित है तो स्टार्टअप्स और खाद्य प्रसंस्करण इकाईयां बेहद उत्साहित है।

दरअसल गई शताब्दी के छठें-सातवें दशक तक हमारे यहां खासतौर से गांवों का मुख्य भोजन मोटा अनाज ही रहा है। 1960 के दशक में खाद्यान्न संकट के विकल्प के रुप में हरित क्रांति का दौर आरंभ हुआ और ऐसे में खाद्यान्न उत्पादन बढ़ाना पहली प्राथमिकता बनी और इसके लिए गेहूं को प्रमुख विकल्प माना गया। इसके बाद एक ओर गेहूं के आयात, गेहूं के उत्पादन बढ़ाने और उत्पादन बढ़ाने के नाम पर रासायनिक उर्वरकों का दौर शुरु हुआ। रासायनिक उर्वरकों के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए प्रचार तंत्र को एग्रेसिव किया गया और आज हमारे कृषि वैज्ञानिकों, नीति नियंताओं और अन्नदाता की मेहनत से देश खाद्यान्न को लेकर आत्मनिर्भर बन गया है। कोरोना त्रासदी से लेकर अब तक जरुरतमंद लोगों तक नि:शुल्क खाद्यान्न की उपलब्धता बड़ा सहारा बनी है। हरित क्रांति समय की मांग थी और आज भी है। पर अब समूची दुनिया में रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक उपयोग से होने वाले दुष्परिणामों और नित नई बीमारियों से त्रस्त होने के कारण विकल्प तलाशा जाने लगा है और मोटे अनाज को दुनिया के देश बेहतर विकल्प और आशा के रुप में देख रहे हैं। इसमें कोई दो राय नहीं कि एक समय था जब मोटा अनाज प्रमुख भोजन होता था। आज भी दुनिया में कुल उत्पादित मोटे अनाज में हमारे देश की भागीदारी 41 प्रतिशत है। राजस्थान, महाराष्ट्र, कर्नाटक, गुजरात, मध्यप्रदेश, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश आदि प्रमुख राज्य है। आज मोटे अनाज के निर्यात में भी भारत प्रमुख देश है। हमारे देश से गए साल 2.69 करोड़ डॉलर का मोटा अनाज अमेरिका को निर्यात किया गया है। मोटे रुप से 13 प्रकार के अनाज को मोटे अनाज के रुप में माना जाता है। इनमें से प्रमुख रुप से 8 अनाजों बाजरा, रागी, कुटकी, संवा, ज्वार, कंगनी, चेना और कोंदों को माना जाता है। कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्रालय के वर्ष 2023-24 के पहले अनुमान के अनुसार खरीफ पोषक मोटे अनाजों का उत्पादन 351.37 लाख टन अनुमानित है जो कि 350.91 लाख टन औसत मोटे अनाजों की तुलना में थोड़ा सा अधिक है। वर्ष 2023-24 के दौरान श्री अन्न का उत्पादन 126.55 लाख मीट्रिक टन अनुमानित है।

मोटा अनाज खासतौर से बाजरा खरीफ की प्रमुख फसल है। अब आसानी से समझा जा सकता है कि खरीफ की फसल पक कर तैयार हो जाती है तो उस समय तक सर्दी का मौसम आरंभ हो जाता है। सर्दी में बाजरा कितना स्वास्थ्यवर्द्धक होता है इसको बताने की आवश्यकता नहीं है तो गरमी में बाजरे की राबड़ी की अपनी पहचान हैं। समय का बदलाव देखिए कि गॉव-गरीब का भोजन आज पंच सितारा होटलों में लक्जरी व्यंजन बन चुका है।

मोटे अनाज को प्रमोट करने के विश्वव्यापी प्रयास आरंभ हो गए हैं। युवा एंटरप्रोन्योर स्टार्टअप्स के माध्यम से आगे आ रहे हैं। लोगों को मिलेट रेसिपी भाने भी लगी है। लोग इनके महत्व को समझने लगे हैं। पुरानी पीढ़ी के लोगों को याद होगा कि राजस्थान में तो खासतौर से एक समय था जब घर पर मेहमान आने पर ही गेहूं की चपाती बनती थी। धीरे-धीरे मोटे अनाज का उत्पादन और उपयोग दोनों ही प्रभावित हुए। यह सब तो तब रहा जब कि बाजरा आदि मोटे अनाज के खेती में कम पानी और कम लागत आती है तो दूसरी और मोटा अनाज प्राकृतिक स्वास्थ्यवर्द्धक तत्वों से भरपूर रहे हैं और इनकी उपयोगिता को आज वैज्ञानिक सिद्ध कर रहे हैं। मौसम के अनुसार खेती होने से फसलों के तासीर भी पैदावार पक कर बाजार में आने के बाद उसके उपयोग से तय होती रही है। मोटा अनाज खासतौर से बाजरा खरीफ की प्रमुख फसल है। अब आसानी से समझा जा सकता है कि खरीफ की फसल पक कर तैयार हो जाती है तो उस समय तक सर्दी का मौसम आरंभ हो जाता है। सर्दी में बाजरा कितना स्वास्थ्यवर्द्धक होता है इसको बताने की आवश्यकता नहीं है तो गरमी में बाजरे की राबड़ी की अपनी पहचान हैं। समय का बदलाव देखिए कि गॉव-गरीब का भोजन आज पंच सितारा होटलों में लक्जरी व्यंजन बन चुका है। शादियों में बाजरे की खिचड़ी या छाछ राबडी प्रमुखता से परोसी जाने लगी है तो इसका मतलब भी समझना होगा।

देश में कृषि क्षेत्र में निरंतर सुधार हो रहे हैं। कृषि बजट में साल दर साल उल्लेखनीय बढ़ोतरी की जा रही है। अब कृषि वैज्ञानिकों के सामने नई चुनौती मोटे अनाज की उन्नत व गुणवत्तापूर्ण किस्में विकसित करने की है जिसे सरकार द्वारा प्रोत्साहित किया जा रहा है, इस क्षेत्र में शोध और अनुसंधान को बढ़ावा दिया जा रहा है और किसानों को मोटे अनाज के उत्पादन बढ़ाने के लिए अधिक से अधिक प्रेरित करने के समन्वित प्रयास किए जा रहे हैं। आज दुनिया के देश मोटे अनाज को एक बार फिर से भविष्य का अनाज देख रहे हैं तो फिर देश दुनिया में मोटे अनाज के उत्पादन को बढ़ाने के समन्वित प्रयास किये जा रहे है।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ.राजेन्द्र प्रसाद शर्मा
(वरिष्ठ लेखक)

राशिफल शनिवार 4 नवम्बर, 2023

पंडित अनिल शर्मा

कार्तिक मास, कृष्ण पक्ष, सप्तम तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2080, पुनर्वसु नक्षत्र प्रात: 7:57 तक, साध्य योग दिन 1:02 तक, विष्टि करण दिन 12:04 तक, चन्द्रमा आज कर्क राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-तुला, चन्द्रमा-कर्क, मंगल-तुला, बुध-तुला, गुरू-मेष, शुक्र-कन्या, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज त्रिपुष्कर योग सूर्योदय से प्रात: 7:57 तक है। रवियोग प्रात: 7:57 तक रहेगा। आज भद्रा दिन 12:04 तक रहेगी। आज शनि मार्गी दिन 12:35 पर होगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 8:04 से 9:26 तक, चर 12:10 से 1:32 तक, लाभ-अमृत 1:32 से 4:16 तक।

राहूकाल: 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 6:42, सूर्यास्त 5:39

मेष
परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में धार्मिक-सामाजिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

वृष
परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

मिथुन
आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

कर्क
घर-परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। आर्थिक मामलों में परिचितों से सहयोग मिलेगा।

सिंह
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि होगी। मित्रों/रिश्तेदारों के परेशानी हो सकती है। समय खराब हो सकता है। व्यावसायिक प्रतिष्ठा का ध्यान रखें।

कन्या
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है।

तुला
व्यावसायिक कार्यों में आ रही परेशानियां दूर होने लगेगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

वृश्चिक
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों के लिए भागदौड़ रहेगी।

धनु
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं।

मकर
परिवार में प्रसन्नता-हर्षोल्लास का माहौल रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक सफलता से मनोबल बढ़ेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। किसी भी कारण से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक कार्यों के लिए सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

मीन
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों को मानसिक तनाव बना रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

इज़राइल-हमास के बीच लंबे समय तक संघर्ष: एक वैश्विक सुरक्षा ख़तरा

कर्नल राजेश भूकर

हमास के 'ऑपरेशन अल-अक्सा फ्लड' और इज़राइल के जवाबी हमले 'ऑपरेशन आयरन स्वोर्ड्स' में हमास के आतंकवादियों सहित हजारों इजरायली और फिलिस्तीनी मारे गए हैं और कई इजरायली नागरिक हमास द्वारा बंदी बना लिए गए हैं। जैसे-जैसे संघर्ष जारी है, स्थिति और भी खराब होती जा रही है और कई राष्ट्र प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से किसी एक पक्ष का समर्थन करके युद्ध में शामिल हो गए हैं। संघर्ष की इस ताजा वृद्धि के साथ वैश्विक सुरक्षा माहौल और भी निचले स्तर पर पहुंच गया है और हर गुजरते दिन के साथ यह विश्व के लिए बड़ा खतरा साबित हो रहा है। अमेरिका और ब्रिटेन और उसके सहयोगियों ने खुले तौर पर इज़राइल के साथ गठबंधन किया है और इस्लामी देशों विशेष रूप से ईरान, सीरिया, सऊदी अरब, पाकिस्तान जैसे अन्य अरब देशों ने खुले तौर पर हमास का समर्थन किया है। यह संघर्ष अब और बढ़ गया है क्योंकि ईरान समर्थित हिजबुल्लाह ने खुले तौर पर इजराइल की उत्तरी सीमाओं पर बमबारी की है। अमेरिकी वायुसेना के जेट विमानों ने ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली सुविधाओं को निशाना बनाते हुए सीरिया के पूर्वी क्षेत्र पर बमबारी की है। हमास को खत्म करने के लिए गाजा में एक बड़े इजरायली जमीनी हमले से गाजा में संसाधन-वंचित और नाकाबंदी वाले इलाकों में फंसे लोगों की स्थिति खराब हो सकती है। हमास द्वारा अपनायी रणनीति जिसमें अनुमानित 2,000 लड़ाके जुटाकर बड़े पैमाने पर हमले करना, बंधक बनाना, बलात्कार, सिर काटना और लाइवस्ट्रीमिंग कर अपने आप को इस्लामिक स्टेट आतंकवादी समूह, तालिबान और अन्य संगठनों की रणनीति से जोडने की कोशिश है। रूस और चीन अब तक संघर्ष में सक्रिय रूप से शामिल नहीं हैं और संघर्ष को समाप्त करने के लिए काम कर रहे हैं। मध्य पूर्व क्षेत्र में स्थिति गंभीर होती जा रही है और वैश्विक संघर्ष को बचाने और क्षेत्र में तनाव कम करने के लिए संयुक्त राष्ट्र और अन्य देशों को पुरजोर प्रयास करने होंगे।

वेस्ट बैंक में हमास द्वारा नियंत्रित गाजा और फिलिस्तीन प्राधिकरण कभी भी शांतिपूर्ण नहीं रहे हैं और लगातार झड़पें देखी गई हैं क्योंकि इस क्षेत्र में इजरायली निवासियों की हिंसा का समर्थन करने वाले IDF और हमास या हिजबुल्लाह की आतंकवादी गतिविधियों विवाद की जड़ रहे हैं। इस महीने के पहले सप्ताह में भड़की ताजा घटना की जड़ें गाजा की लंबी नाकाबंदी से जुड़ी हैं, जिससे फिलीस्तीनियों को काफी आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ा, इजराइल के कब्जे वाले वेस्ट बैंक में बस्तियों के निर्माण में तेजी आई, साथ ही फिलिस्तीनियों को विस्थापित करने वाले इजराइली निवासियों के हमलों में वृद्धि हुई और चारों ओर तनाव बढ़ गया। यरूशलेम का एक पवित्र स्थल, अल-अक्सा मस्जिद में IDF का प्रवेश और कुछ फ़िलिस्तीनियों पर गोलीबारी से शत्रुताएँ बढ़ीं। 29 सितंबर को कतर, मिस्र और संयुक्त राष्ट्र की मध्यस्थता में इज़राइल और हमास के बीच संघर्ष विराम पर बातचीत के बावजूद, हमास ने 07 अक्टूबर 2023 को Simchat Torah और Shabbat के यहूदी अवकाश के दौरान इज़राइल के अंदर बड़े पैमाने पर आश्चर्यजनक हमला किया।

इजरायली खुफिया एजेंसी की जानकारी बिना भारी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद इकट्ठा करना और IDF के किसी भी प्रतिरोध का सामना किए बिना तकनीकी रूप से सबसे उन्नत सीमा बाड़ के पार इजरायली भूमि में हमास मिलिशिया की खुली छूट के साथ प्रवेश, हमास के इस पूरे ऑपरेशन को अजीब और अस्पष्ट बना देती है। एक भी गोली नहीं चली और हमास मिलिशिया ने न केवल इतने सारे इजरायलियों को मार डाला बल्कि उनमें से कुछ को बंदी बनाकर गाजा वापस ले गए। हमास द्वारा शुरू किए गए संघर्ष ने इज़राइल की अजेयता की छवि और राज्य के दुश्मनों को पहचानने और उन्हें खत्म करने की क्षमता को गहरा झटका दिया है। यह नेतन्याहू सरकार की विफलता और स्पष्ट सैन्य और खुफिया विफलता रही है क्योंकि वे हमास के वास्तविक इरादों का आकलन करने में विफल रहे। पिछले कुछ वर्षों से गाजा में हमास के प्रति इजरायली प्रशासन की सहिष्णुता का उद्देश्य संभवत: फिलिस्तीन के अधिकार को नकारना था, लेकिन यह इजरायल के लिए बहुत महंगा साबित हुआ।

अमेरिका के नेतृत्व वाले पश्चिम ने इजरायल को सैन्य सहायता प्रदान करने की इच्छाशक्ति दिखाई है, संयुक्त अरब अमीरात, भारत और कुछ अन्य लोगों ने अपनी राष्ट्रीय अखंडता की रक्षा के लिए इजरायल के अधिकार का खुलकर समर्थन किया है और हमास पर पलटवार किया है। रूस और चीन फिलिस्तीन समर्थक रहे हैं लेकिन उन्होंने हमास के खिलाफ जवाबी हमले के लिए इजरायल की खुले तौर पर निंदा नहीं की है। यहां तक कि लेबनान ने हिज़्बुल्लाह को इज़राइल सीमा के निकट स्थित पदों को खाली करने के लिए कहा है और इसका उपयोग इज़राइल पर हमला करने के लिए किया जा रहा है, जो दर्शाता है कि लेबनान इज़राइल के साथ सीधा टकराव नहीं चाहता है। भारत ने हमास के हमलों की कड़ी निंदा की है और इसे आतंकवादी कृत्य करार दिया है और इजरायल के साथ मजबूती से खड़ा है, लेकिन इजरायल के साथ शांति से रहने वाले फिलिस्तीन के 'संप्रभु, स्वतंत्र और व्यवहार्य' राज्य का समर्थन करता है।

अमेरिका हमास को शीघ्र निष्प्रभावी करना और अरब-इजरायल युद्ध का रूप लिए बिना इस संघर्ष को समाप्त होते देखना चाहेगा। अमेरिका को दक्षिण चीन सागर में बीजिंग और यूक्रेन में युद्ध को लेकर मॉस्को पर ध्यान केंद्रित करना चाहेगा। रूसी इसे यूक्रेन युद्ध और यूक्रेन को हथियारों की आपूर्ति में कमी से पश्चिम का ध्यान हटाने के अवसर के रूप में देखते हैं। रूस इस संघर्ष में शामिल होना तब तक पसंद नहीं करेगा जब तक कि उसके मजबूत सहयोगी सीरिया को खतरा न हो। चीनी कूटनीतिक रूप से फ़िलिस्तीन के साथ खड़े हैं, वो इज़राइल के तीसरे सबसे बड़े व्यापारिक भागीदार होने के नाते सीधे हस्तक्षेप नहीं करना चाहेंगे। ईरान ने खुले तौर पर हमास के हमलों का समर्थन किया है और इजरायल और सऊदी अरब के बीच चल रहे शांति समझौते को पटरी से उतारने के उद्देश्य से उत्तर में इजरायल पर हमला करने वाले हिजबुल्लाह का सक्रिय रूप से समर्थन कर सकता है। ईरान के परमाणु कार्यक्रम और पड़ोसी देशों में आतंकवादी समूहों को उसके निरंतर समर्थन को लेकर इज़राइल और ईरान के बीच सैन्य टकराव अभी भी एक बड़ा खतराबना हुआ है।

भारत के लिए सीख. भारत के लिए इस संघर्ष से सबसे महत्वपूर्ण सबक है अपनी सशस्त्र सेनाओं को मजबूत करने और उच्चतम मनोबल के साथ किसी भी स्थिति से निपटने के लिए उन्हें तैयार रखने की आवश्यकता है। भारतीय खुफिया सेवाओं की सतर्कता और प्रभावशीलता को अव्वल दर्जे की बनाई जाए। हमारी खुली सीमाओं पर प्रभावी जांच और समर्पित प्रतिक्रिया टीमों के साथ सीमा बाड़ के तकनीकी सुधार की आवश्यकता है। प्रमुख सहयोगियों के साथ खुफिया जानकारी साझा करने की व्यवस्था को मजबूत करने की जरूरत है। सरकार को एक राष्ट्रीय सुरक्षा नीति बनाने की ज़रूरत है जिसमें सभी संभावित खतरों को शामिल किया जाए और लगातार निगरानी और अद्यतन करने के लिए एक प्रणाली बनाई जाए। हमारे कुशल आतंकवाद विरोधी बल को और मजबूत करने की भी सख्त आवश्यकता है जो संघर्ष के भड़कने पर पूरे क्षेत्र को प्रभावी तरीके प्रभावी ढंग से संचालन कर सके। उभरती हुई वैश्विक शक्ति के रूप में भारत को हमास आतंकवाद की निंदा करने और इज़राइल के आत्मरक्षा के अधिकार पर संतुलन की स्थिति अपनानी होगी। मध्य पूर्व क्षेत्र में स्थिति को सामान्य बनाना होगा ताकि इसे वैश्विक संघर्ष का बड़ा रूप लेने से रोका जा सके और नागरिक हताहत ना हो। इसके अलावा इज़राइल के साथ फ़िलिस्तीन के स्वतंत्र राज्य की शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व की नीति भी बरकरार रखनी होगी।

लेखक डिफेंस सर्विसेज स्टाफ कॉलेज वेलिंगटन से स्नातकोत्तर हैं और कॉलेज ऑफ कॉम्बैट महू के पूर्व छात्र हैं।

-कर्नल राजेश भूकर,
भूतपूर्व सैनिक कल्याण अधिकारी, जयपुर।

गुजरात में जज बनी मनाली लाटा

सिविल ज्यूडीशियरी परीक्षा में मनाली ने टॉप किया

मनाली लाटा का माला पहनाकर स्वागत किया।

जोधपुर, (कासं)। मनाली लाटा ने गुजरात हाईकोर्ट द्वारा आयोजित सिविल ज्यूडीशियरी परीक्षा में टॉप किया। परीक्षा में मनाली ने 250 में से 156.50 अंक हासिल कर टॉप किया। 7000 विद्यार्थियों ने यह परीक्षा दी थी। कई राउंड के बाद कुल 13 विद्यार्थियों का चयन किया गया, उनमें मनाली ने टॉप किया। मनाली ने 10 वीं और 12 वीं की शिक्षा जोधपुर में पूरी की और और निरमा यूनिवर्सिटी गुजरात से लॉ की पढाई पूरी की।

मनाली का कहना है कि अगर आप सोच लो और ठान लो तो दुनिया में कुछ भी असंभव नहीं है, मगर अपने सपने के पीछे आपको लगे रहना होता है, लगातार।

मनाली दो साल से इस परीक्षा की तैयारी कर रही थी और कोई दिन ऐसा नहीं गया जब कम से कम छह घंटे उसने पढ़ाई न की हो। वह युवाओं से यही कहना चाहती है कि सपने देखो, धैर्य रखो, सेल्फ मोटीवेटेड रहो और मेहनत करते रहो। मेहनत का कोई विकल्प नहीं है। मैं अपनी सफलता का श्रेय अपने माता पिता के साथ ही कड़ी मेहनत को देना चाहती हूं।

हाईकोर्ट ने दिव्यांग को नियुक्ति देने का आदेश दिया

- **आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी भर्ती-2023 का मामला**
- **प्रमाण पत्र में बाएं भुजा के स्थान पर बाएं हाथ की नि:शक्तता लिखा हुआ था**

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान हाइकोर्ट के वरिष्ठ न्यायाधीश अरुण भंसाली ने आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी भर्ती-2023 में एक नि:शक्तजन को समस्त परिलाभ सहित तीन सप्ताह में नियुक्ति देने के आदेश दिए हैं। इस मामले में वरिष्ठ न्यायाधीश अरुण भंसाली ने नि:शक्तता को लेकर विस्तृत विवेचन कर निर्णय दिया है। आयुर्वेद विभाग ने विकलांगता प्रमाण पत्र में बाएं भुजा के स्थान पर बाएं हाथ की नि:शक्तता लिखे होने के कारण अभ्यर्थिता निरस्त कर दी थी।

जिला चूरू के बिदासर निवासी डॉ. रविन्द्र कुमार नायक की ओर से अधिवक्ता यशपाल ख़िलेरी ने हाईकोर्ट में एक रिट याचिका दायर कर बताया कि याची बाएं हाथ में 40 प्रतिशत से अधिक लोकोमोटर्स डिसेबिलिटी से पीड़ित होकर वन हाथ (वन आर्म) श्रेणी से नि:शक्तजन है। दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम के प्रावधानों के तहत कुल 4 प्रतिशत क्षेतिज रूप से आरक्षण का प्रावधान किया हुआ है जो विज्ञापित पद के कार्य दायित्वों के अनुरूप नि:शक्तजन की उपयुक्त श्रेणी को देय होता है। उक्तनुसार आयुर्वेद विभाग ने आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी के कुल 787 विज्ञापित पदों में से 32 पदों के लिए दिव्यांगजन की ओएल, ओए, बीएल, एलसी, डीडब्ल्यू, एएवी, एसएलडी, एमडी श्रेणी को ही पात्र विशेष योग्यजन चिन्हित किया। आयुर्वेद विश्वविद्यालय करवड़ और आयुर्वेद विभाग अजमेर द्वारा उक्त आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी भर्ती-2023 में दस्तावेज सत्यापन काउंसलिंग के पश्चात अंतरिम वरीयता सूची जारी की, जिसमें दिव्यांगजन हेतू आरक्षित 32 पदों के विरुद्ध केवल 14 दिव्यांगजन को ही अस्थायी चयनित किया और शेष 18 पदों पर योग्य दिव्यांग अभ्यर्थी नहीं मिलने का कहकर सामान्य वर्ग के अभ्यर्थियों को अस्थायी चयनित कर लिया गया।

अधिवक्ता ने हाईकोर्ट में बताया कि भर्ती में यदि दिव्यांजन अभ्यर्थी उपलब्ध नहीं हो तो अधिनियम 2016 की धारा 34 के अनुसार आरक्षित पदों को आगामी भर्ती वर्ष में अग्रेषित करने का स्पष्ट प्रावधान है जिसका उल्लेख विज्ञिप्त में भी किया गया है। इसके बावजूद याची के योग्य व उपलब्ध होने के बाद भी उसे चयनित नहीं करना गैर कानूनी और अवैध हैं। आपत्तियां प्रस्तुत करते समय भर्ती एजेंसी आयुर्वेद विश्वविद्यालय जोधपुर द्वारा याची को मौखिक बताया गया कि यदि उसके प्रमाण पत्र में बाया हाथ के स्थान पर बाएं भुजा की नि:शक्तता का अंकन होता तो ही वह एकल भुजा ओए श्रेणी में पात्र है, जो स्पष्टत: विधि विरुद्ध और असवैधानिक है। अधिवक्ता ने कोर्ट का ध्यान इस ओर भी दिलाया कि याचिका पेश होने के पश्चात आयुर्वेद विभाग द्वारा तुरंत फुरत में बिना अंतिम कटऑफ जारी किए 23 सिंतबर को अंतिम अस्थायी चयन सूची भी जारी कर दी है जिसमें भी दिव्यांगजन पदों के विरुद्ध सामान्य अभ्यर्थियों को पुन: चयनित कर लिया गया है और परिवेदना प्राप्त होने के बावजूद भी कोई सुधार नहीं किया तथा अब आयुर्वेद विभाग अजमेर तुरतफुरत में इनका पदस्थापन आदेश भी जारी कर दिए। याची के अधिवक्ता ने बताया कि हथेली, कलाई और अंगुलिया मिलकर हाथ का निर्माण होता है तथा कंधे व कलाई के बीच का भाग भुजा (आर्म) कहलाती है और आम बोलचाल में इसको हाथ (हैंड) कहा जाता है। याची के भी बाएं भुजा में नि:शक्तता है जो प्रमाण पत्र में लगी फोटोग्राफ से स्पष्टत: दर्शित होती है। रिकॉर्ड पर आए तथ्यों का परिशीलन कर न्यायाधीश अरुण भंसाली ने रिट याचिका स्वीकार करते हुए तीन सप्ताह के भीतर याचिकाकर्ता को आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी पद पर समस्त पारिणामिक परिलाभ सहित नियुक्ति देने के आदेश दिए।

"मोमासर उत्सव" में इस बार 50 प्रतिशत महिला कलाकारों की भागीदारी

"मोमासर उत्सव" में कलाकारों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया

जयपुर। राजस्थान के सबसे बड़े कल्चरल फेस्टिवल "मोमासर उत्सव" में इस बार 50 प्रतिशत महिला कलाकार और दस्तकार अपनी प्रस्तुतियों और कलाओं से आयोजन को गुलज़ार कर रही हैं। राजस्थान में किसी कल्चरल फेस्टिवल में ऐसा पहली बार हो रहा है जबकि आयोजन के कलाकारों में आधी तादाद महिला कलाकारों की हो। उत्सव हमेशा से दुर्लभ लोक संगीत, कला और परम्पराओं को सहेजता आया है। उत्सव हमेशा से संवेदनशीलता का पर्याय रहा है। यह एक ऐसा दुर्लभ आयोजन है जिसमें ना उम्र की कोई सीमा है और ना ही शारीरिक चुनौतियों का कोई बंधन। यहां पुरुष, महिलाएं, युवा, बुज़ुर्ग, दृष्टिबाधित, विशेष योग्यजन हर तरह के कलाकार परफ़ोर्म करते आए हैं और उन्होंने अपनी कला से हज़ारों दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया है।

बीकानेर के मोमासर में आयोजित होने वाले "मोमासर उत्सव" के 11वें संस्करण में पहले दिन की शुरुआत

बीकानेर के मोमासर में "मोमासर उत्सव" के 11वें संस्करण का आगाज़ हुआ।

भोमियाजी मंदिर में गीता पराग कबीर और साथियों के भक्ति संगीत से हुई। इसके बाद हवेली चौक में रामकुमार नाथ जोगी ने तीन लोक वाद्य पुंगी, बांसुरी और अलगोजा वादन की अपनी अद्भुत कला का प्रदर्शन किया। शांति देवी कालबेलिया और साथियों ने पुंगी पर कालबेलिया समुदाय के गीत पेश किए। बेगम बतूल ने भी शेखावाटी के पारंपरिक लोक गीतों से शेखावाटी की समृद्ध विरासत को यहां साकार कर दिया। रात को द सैंड्स में आयोजित "म्यूजिक अंडर द स्टार्स" में नानक नाथ जोगी ने जोगिया सारंगी पर भक्ति गीत पेश किए।

साउथ अमेरिकी कलाकार निकोलस-कैरोलीना व ट्रंपेट कलाकार आमिर बियानी की संगीतमय प्रस्तुति ने दिखाया कि संगीत की कोई भाषा और सीमा नहीं होती है। इसके बाद भुंगर खान पारंपरिक मांगणियार गीत और अम्बा लाल व साथियों के बॉलीवुड क्लासिक्स ने रात को द सैंड्स (कुनाल-कनिका फार्म) के खुले मैदान में समां बांध दिया।

यह उत्सव राजस्थान की संस्कृति, अद्भुत कला और दुर्लभ लोक संगीत को बरसों से सहेजता आ रहा है। यह राजस्थान का एकमात्र ऐसा आयोजन है जिसमें इतने बड़े स्तर पर समुदाय और आमजन की सहभागिता रहती है। गौरतलब है कि मोमासर उत्सव का आयोजन "जाजम फाउंडेशन" द्वारा किया जाता है।

इसके मुख्य प्रायोजक सुरवि चैरिटेबल ट्रस्ट और सह-प्रायोजक संचेती ठाुप हैं। नागपाल इवेंट्स-जयपुर, विश-मेकर्स-दिल्ली, लोक-धुनी फाउंडेशन, डांसिंग पिकॉक और मर्करी कम्यूनिकेशन इस उत्सव के सहयोगी है।